प्रेस विज्ञप्ति दिनॉक– **02 03 2016**

"स्वच्छ भारत मिशन "की दशा व दिशा पर चिंतनः अध्ययन दल का गिरौदपुरी सफरनामा

मिनी सोसाइटी भिलाईनगर,सतनामी समाज के बुद्धिजीवितों का एक कारगार मंच है ,जिसके माध्यम से समाज के आर्थिक व सामाजिक चिंतन पिछले कई वर्षो से नियमित व संयमित रूप से संचालन होते आ रहा है ।इसी कड़ी में पिछले **28 फरवरी 2016** को **मिनी सोसाइटी** के सदस्यों के **अध्ययन दल** का महत्वपूर्ण यात्रा **सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई** से प्रारंभ होकर बौद्ध तीर्थ स्थली **सिरपुर** होते हुये गुरू घासीदास जी के जन्म स्थली व मानवता के संदेश का केन्द्र **गिरौदपुरी** तक बस के माध्यम से संपन्न हुआ।यात्रा प्रारंभ सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में ,अध्ययन दल के सदस्यों द्वारा **गुरू वंदना** से हुआ ।यात्रा के दौरान बाबा जी के भजन व जयकारा के साथ ही बाबा जी के मानवतावादी संदेश का प्रचार प्रसार रास्ते में चलते रहा। **सिरपुर** पहुँच कर सदस्यों को साक्षात पता चला कि वाकई में **सिरपुर** बौद्ध संदेश के प्रचार प्रसार का विशाल व सशक्त केन्द्र होने का अमिट साक्षी है। **गुरू घासीदास जी** की पत्नी **सफुरा माता** का मायका भी **सिरपुर** ही रहा है। मानवतावाद का मेल नजर आता है। सदस्यों द्वारा इस संबंध में व्यापक चिंतन मनन हुआ, जो समाज के आर्थिक व सामाजिक पहलुओं को प्रभावित करता है। गिरौदपुरी पहुँच कर बाबा जी के चिंतन मनन स्थल **छाता पहाड़** में भी **सामूहिक गुरू वंदना** संपन्न हुआ, जिससे अन्य उपस्थित संत जन काफी प्रभावित हुये। पंथी व सतनाम भजन के साथ प्रमुख गुरू गद्दी, अमृत कुण्ड, चरण कुण्ड व अन्य संबंधित स्थानों का भ्रमण व जानकारियॉ प्राप्त हुयी। विश्व का **ऐतिहासक जैतखाम** जो दिल्ली के **कुतुंबमीनार** से भी ऊँचा है, जिसको देख कर हर मानवतावादी का सर ऊपर हो जाता है व गर्व महसूस करता है। सदस्यों ने पहली बार इस **गौरवशाली जैतखाम** का साक्षात दर्शन किया व सभी ने सीढ़ी के माध्यम से ऊपर चढ़कर आसपास के प्राकृति दृश्यों का अवलोकन कर अपने आप को धन्य महसूस किये। वापसी में बाबा जी के निवास का भी अवलोकन किये ।

वापसी में चिंतन मनन अन्य विषयों के अलावा इस **ऐतिहासिक जैत खाम** पर केन्द्रित रहा। सदस्यों ने महसूस किया कि यह ऐतिहासिक जैत खाम **नकुल देवढीढ़ी जी** के द्वारा किये गये प्रयास का ही प्रतिफल है। **नकुलदेव ढीढ़ी जी** ने सन् **1938** में सर्व प्रथम गुरू घासीदास जी की जयंती अपने गृह ग्राम **भोरिंग** (जिला महासमुंद) में किये । साथ ही **एक दिवसीय गिरौदपुरी मेला** को **तीन दिवसीय मेला**(फागुन शुक्ल पंचमी षष्ठी व सप्तमी)को सन् **1961** से शुरूवात किये। आज छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों में भी **18** दिसम्बर

को **गुरू घासीदास जी की जयंती** मनाने की लहर बन चुकी है। समाज की इसी, ***साल में एक बार एकत्र होने के ताकत का परिणाम है कि गिरौदपुरी में ऐतिहासिक जैत खाम नजर आता है।*** यात्रा के दौरान सामाजिक चिंतकों ने महसूस किया कि अगर समाज प्रति सप्ताह **सोमवार** को, जो बाबा जी का जन्म दिन भी है,के अवसर पर एकत्र हो कर बाबा जी के **मानवतावादी विचारधारा** का प्रचार प्रसार का संकल्प ले कर अपने आचार विचार, व रहन सहन में आवश्यक परिवर्तन कर ले तो समाज की ताकत **पचास गुना** से ज्यादा नजर आयेगी, जिसे कोई रोक नहीं सकता।**गुरू बालक दास जी** के बलिदान स्थल **औरा बांधा** (जिला मुँगली) भी प्रेरणा – केन्द्र बनेगा ।साथ ही **28 मार्च ,गुरू बालक दास जी के बलिदान दिवस** के रूप में चिंन्हित होने से मान्यता मिलेगी ।

इस ऐतिहासिक यात्रा को सफल बनाने में **मिनी सोसाइटी भिलाई नगर** के पदाधिकारियों व आयोजक मंडल का विशेष प्रयास व योगदान रहा। साथ ही देश में चल रहे **"स्वच्छ भारत मिशन", उपलब्ध सुविधा** व **सुरक्षा** से संबंधित विषयों पर विशेष चिंतन मनन भी हुआ ।अध्ययन दल के सदस्यों को इस संबंध में देख व समझ कर घोर निराशा हुआ । **छत्तीसगढ़** ही नहीं बल्कि **विश्व** की तीर्थ स्थली में , जहाँ सैकड़ों लोग प्रतिदिन पहुँच रहे हैं, लेकिन परिसर में **नहाने धोने** व **संडास** व्यवस्था का सर्वथा अभाव है। **जोक नदी** ही एक मात्र सहारा है , लेकिन हमेशा वहाँ तक पहुँच पाना असंभव है। **संडास** के लिये **दर्शनार्थियों** विशेष कर **महिला वर्ग** को **बेहद शर्मिनदगी** व **परेशानी** उठानी पड़ रही है । हाला कि परिसर में अनेकों हाल हैं , लेकिन कहीं भी **नहाने धोने** व **संडास** की व्यवस्था नहीं है ः जो **"स्वच्छ भारत मिशन"** की दशा व दिशा को बया करती है ।वर्तमान में **हेल्थ व सेफ्टी गाइड लाइन** के अनुसार भी सुविधा उपलब्ध कराना मेन्डेटरी है ।आने वाले समय में **फागुन शुक्ल पंचमी ,षष्ठी व सप्तमी** को तीन दिवसीय **गिरौदपुरी मेला** का आयोजन होना है , लेकिन **रायपुर ,बलौदा बाजार व महासमुंद जिलों** की ओर से **गिरौदपुरी** जाने बाले सड़कों की हालत बेहद जर्जर है । ऐसे में विशेष कर मेला के समय दर्शनार्थियों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा । **अप्रिय घटना ,असुरक्षा** व **दुर्घटना** होने की आसंका से इंकार नहीं किया जा सकता । ऐसी परिस्थिति में **"स्वच्छ भारत मिशन",** व **भारतीय संविधान** में वर्णित **समता ,स्वतंत्रता ,बंधुत्व व न्याय** को कार्यान्वित करने वाले जिम्मेदारों विशेष कर **शासन,प्रशासन** व **गिरौदपुरी मेला समिति सदस्यों** की सकारात्मक पहल की महती आवश्यकता है ।इतना ही नहीं **चौथा स्तंभ** समझे जाने वाली **इलेक्ट्रानिक्स** एवं **प्रिंट मिडिया** से संबंधित जिम्मेदार भी अपनी अहम् भूमिका सकारात्मक दिशा की ओर पहल कर सकते हैं ।

इस ऐतिहासिक यात्रा व चिंतन मनन में भाग लेने वाले है ः टी आर कोसरिया, एफ आर जनार्दन, के एन जोशी, सुभाष कुर्रे, डी एल टंडन, बंशी लाल रात्रे, भागीरथी बघेल, गोरे लाल नारंग, बी एल टंडन, व्ही डी बंधे, मोहन लाल भारती, एस के केशकर, एस आर नारंग, के आर मारकण्डे, एम एस बंजारे, आर एल ढीढ़ी,

नोहर सिंह ढीढ़ी, टी डी रात्रे, मनोज जांगड़े, एस पी डिंडोरे, राम जी गायकवाड़, अजीत बंजारे, राजकुमार टंडन, गजेन्द्र साय, जैनेंद्र कुमार गहिने, बुधराम टंडन, बसंत देशलहरा, दुर्गा राम चतुर्वेदी, जे पी देशलहरा, रेश लाल राय, सत्यनरायण राय, एन आर बारले, प्रेम चंद पात्रे, रमेश चंदवानी, प्रदीप कौशिक, भूषण डहरिया, हेम प्रकाश अनंत, राजेन्द्र प्रसाद महिलांग, उमेश बंजारे, चैत राम कोसरे , डी पी देशलहरा , होरी बंजारे , होरी लाल चतुर्वेदी , कमल पहाड़ी , भुवन लाल बघेल, तीरथ बांधे , निर्मल दिवाकर , इंदरमन बंजारे , पुरषोत्तम , नरेन्द्र कुमार जोशी आदि।

संयोजक ः एफ आर जनार्दन

राज्य मानव संस्कृति संस्थान छत्तीसगढ़